हेल्थ टूरिज्म में सर्वाधिक संभावनाएं : योगी

सीएम ने आयुष विभाग की 238 करोड़ की 271 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

अमर उजाला ब्यूरो

लोकभवन में बुधवार को सीएम योगी ने आयुष विभाग की 271 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मौजूद आयुष विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व अन्य। -अमर उजाला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में हेल्थ टूरिज्म में काफी संभावनाएं हैं। इसमें भी सर्वाधिक संभावना आयुष के क्षेत्र में हैं। अगर हम आयुष से जुड़ी सभी पद्धतियों को व्यवस्थित व प्रोफेशनल तरीके से लागू करें तो पूरी दुनिया हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का अनुसरण करेगी। इससे न सिर्फ संपूर्ण आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने में, बल्कि बड़े स्तर पर नौकरी और रोजगार के सृजन में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को लोकभवन में आयुष विभाग की 238 करोड़ की 271 परियोजनाओं के लोकार्पण के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं आयुष चिकित्सा पद्धति के जरिए किसानों की आय को भी कई गुना तक बढ़ाया जा सकता है। हमें इसके लिए पहल करनी होगी। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यूपी में आयुष मिशन तेजी के साथ जनविश्वास का प्रतीक बनता जा रहा है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष मंत्रालय का गठन कर पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा दिया। इसके बाद देश ही नहीं पूरी दुनिया ने इसके महत्व को समझा। पीएम मोदी ने 2014 में जो अभियान चलाया, उसका असर है कि हर साल 21 जून को पूरी दुनिया योग करती दिखती है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले चार साल में इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोविड का सामना किया। इस दौरान दुनिया ने पारंपरिक चिकित्सा के महत्व को समझा। कोरोना काल में हर घर में लोग काढ़ा पी रहे थे।

इस अवसर पर आयुष विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी, निदेशक महेन्द्र वर्मा आदि उपस्थित थे।

शोध और किसानों को प्रोत्साहित करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी आयुर्वेद की धरती रही है। ऐसे में अब हमारा दायित्व है कि हम आयुष चिकित्सा पद्धति को और आगे लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने में आयुष पद्धति पर आधारित कृषि बहुत उपयोगी हो सकती है। हमें इसके लिए अपने शोध को बढ़ाना होगा साथ ही साथ किसानों को प्रोत्साहित करना होगा।

जल्द होगा आयुष महानिदेशालय का गठन

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयुष विभाग में महानिदेशालय के गठन की कार्यवाही को मूर्तरूप दिया जा रहा है। अभी आयुष की सभी विधाओं के लिए अलग-अलग निदेशक हैं, अब इन सबके बीच परस्पर समन्वय बनाने के लिए महानिदेशक होंगे। जो मेरिट से समयबद्ध निर्णय लेंगे। इसी तरह डिग्री-डिप्लोमा पाठ्यक्रम अलग-अलग जगह अलग-अलग तरीके से चलते थे। हमने एक विश्वविद्यालय बनाया जो सभी में एकरूपता लाने में सहायक हुआ।

इन प्रमुख परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण

- बस्ती, बलिया, जालौन और रायबरेली में 50 बेड वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालय
- 226 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पांच ई-लाइब्रेरी
- प्रयागराज और झांसी में छात्राओं के लिए छात्रावासों का निर्माण
- 19 होम्योपैथिक व 14 आयुर्वेदिक विभागों में हुए निर्माण कार्य